भिखारी ठाकुर

द्वारा रचित कालजयी नाटक

xcjf?kpksj



भिखारी ठाकुर, सा० कुतुपुर, गुल्टेनगंज, छपरा।



www.lokraag.com | www.bidesia.co.in | www.purabiyataan.com
facebook.com/lokraag, | https://plus.google.com/?lokraag,

contact us @ mail.lokraag@gmail.com
song listen @ www-soundcloud-com@lokraag

dyk ,oa jaxeap dh =Sekfld ^jaxokrk* ds lg;ksx ls tkjh

ik=&ifjp;

गलीज	– गाँव का एक परदेशी युवक।
गड़बड़ी	– गाँव का एक आवारा युवक।
घिचोर	– गलीज बहू से पैदा गड़बड़ी का बेटा।
पंच	– गाँव का एक मानिन्द आदमी।
गलीज बहू	– गलीज की पत्नी और गबरघिचोर की माँ।
	जल्लाद, समाजी, दर्शक आदि।

GABARGHICHOR
A Bhojpuri folk play
by
BHIKHARI THAKUR

गबरघिचोर

lekth %   ¼pkSikbZ½

सिरी गनेस पद सीस नवाऊँ, गबरघिचोरन के गुन गाऊँ।
बहरा से गलीज घर अइलन। मुदित भइल ना दाम कमइलन।।
मेहर के ना भइलन साथी। झूमे जस मतवाला हाथी।।
एही बिधि से दुआर पर आई। निरखन लगे लोग बहुताई।।
घरनी सुनली अइलन पिया। रहि–रहि के हुलसत बा जिया।।
ले थारी जल पाँव पखारे। आजु जनम भये सुफल हमारे।।

xyht cgq % ¼xyht ls½   ¼dfoÙk½

कमल उछाह जइसे सूरूज प्रकास होत, कुमुद उछाह जइसे चन्द्रमा परसते3।
भौरन उछाह जइसे आगमन बसंत जानि, मोरन उछाह जइसे बरखा बरसते।।
हंसन उछाह जइसे मानसरोवर बीच, साधन उछाह इच्छा आवत अरसते।
सबको उछाह एही भाँति उर होत अहै, हमरो उछाह स्वामी तोहरे दरसते।।

xyht % ई झंझट कइला के कुछ काम नइखे, जल्दी बतावऽ लइका कहाँ बा।

xyht cgq % ¼ifr ls½   ¼xkuk&iwohZ½

सिव–सत्ती जी के पूत, देवन में मजगूत;
गिरत बानी तोहरा चरन में हो स्वामीजी!
गवना कराके गइलऽ, घर के ना सुधि कइलऽ;
मरतानी तोहरा बियोग में हो स्वामीजी!
हाथ–बाँहि धइला के, सादी–गवना कइला के;
आज ले ना कइलऽ निगाहवा हो स्वामीजी!
बबुआ भइलन पैदा, कुछ ना मिलल फैदा;
सब बिधि कइलऽ बेकैदा हो स्वामीजी!
आस मत नास करऽ, बेटा के रहे दऽ घर;
पगली के प्रान के आधार मोर हो स्वामीजी!
पोसत बानी बचेपन से, बबुआ के तन–मन से,

कसहूँ उपास आध पेट खा के हो स्वामी जी!
कहत 'भिखारी' नाई, देहु खीस बिसराई
उजरल घर के बसा दऽ मोर हो स्वामीजी!

(अपना बेटा से) ए बबुआ! गोड़ पर गिरऽ, इहे तोहार बाबू हवन।

lekth% ¼pkSikbZ½

गिरत पुत्र पिता पग जाई, धरि के बाँह गोद बइठाई।।

xyht % बेटा हमार चलऽ परदेस। काहे तूँ सहबऽ घरे कलेस।

xcjf?kpkj % माई के संग में लेके चलऽ, राखऽ अपने पास।
छोड़िके गइला से करिहन सब नर–नारी उपहास।।

xyht % एह पागल के छोड़ दो बेटा, चलो हमारे साथ।
फिर ना ऐसा मोका कबहूँ, लगेगा तेरे हाथ।।

xyht cgq % बबुआ के हम सोझा राखब, देख के करब सबूर।
सब बिधि से मत करऽ स्वामी, हमरा कर्म के चकनाचूर।।

xyht % (बेटा के जबरदस्ती बाँहि धइ के झटकार के) चलऽ बेटा, तूऽ चलऽ।
(गड़बड़ी के आगमन आ बेटा के हाथ पकड़ के अपना ओर खिंचल)

lekth% ¼pkSikbZ½

तेहि अवसर गड़बड़ी तहँ आये। पुत्र मोर कहि रोब जमाये।।
तीनों में झगड़ा भये भारी। देखन लगे सकल नर–नारी।।
पंचित करन लगे सब लोगू। गबरघिचोरन केहि के जोगू।।
(पंच आव॰तारन)

i¡p % तीन आदमी में झगरा लागल बा, झगरा छूटत नइखे, जवना पंचाइत में हम बोलाबल गइल बानी। (गलीज का ओर देखावत) : हइहे गलीज बाड़न। गलीज!

xyht % हाँ बाबा!

i¡p % ईहे गलीज हवनं बिआह कके घर में जनाना बइठा देलन। अपने चल गइलन बहरा कमाये। बाहर से ना कबहीं खत भेजलन, ना खबर भेजलन, ना पाँच रोपेया मनिआडर भेजलन। एहिजा इसवरी माया!

गलीज बो, हेने आउ। (गलीज बहू कुछ पास आवतारी) ईहे गलीज बो हऽ। एकरा एगो लइका पैदा लेले बाड़न। बबुआ गबरघिचोर हेने आवऽ (गबरघिचोर पास आवतारन) गाँव–नगर से बहरा में जाके केहू कहल ह कि गलीज तोहरा बेटा भइल बा। गलीज बहरा से आइल बाड़न, कहत बाड़न कि छँबड़ा के हम अपना जवरे बहरा लिया जाइब। गलीज बो कहतिया कि हम असरा लगा के जनमवलीं, पोसलीं–पललीं, छँबड़ा के काहें लिया जइब? हमरो के लिया चलऽ। एही बात के दूनों बेकत में झगरा बा। एही बीच में हई गड़बड़ी कहत बाड़न कि हमार बेटा हऽ। गड़बड़ी, तू ई बतावऽ कि घिचोरवा में के हो के दावा कइले बाड़ऽ?

¼pkSikbZ½

iap % तुम गड़बड़ी कहहु एक बारा। कइसे बेटा भइल तुम्हारा।।

xM+cM+h % घिचोरवा हमार बेटा नूँ हऽ, महाराज!

iap % का गलीजवा बो से तोहरे बिआह भइल रहे?

xM+cM+h % ना।

iap % माड़ो गाड़ि के? बाजा बजा के? नेवता नेवति के?

xM+cM+h % ना महाराज!

iap % तब तोर बेटा कइसे भइल रे बउराह लेके?

xM+cM+h : ए बाबा, हम जवन रउरा से कहत बानी से सुनी। हम रास्ता धइले जात रहीं, ओने से लरिकवा के मतरिया चल आवत रहे। हमरा से कुछ गलती हो गइल।

iap % अइसे खाली गलती बात ना बोले के। राह में गलती हो जाई, तेसे का बेटा हो जाई? कवनो सबूत बा?

xM+cM+h % हाँ, बइठल जाव, हम साबूत देत बानी।

राह में पवलीं खाली जाली। खोजत अइलन एगो कुचाली।।
रोपेया धइलीं लेलीं निकाली। ले जा तूं खलिहा जाली।।

iap % गड़बड़ी, हम तोहरा से ममिला पुछतानी, तूँ लगलँ गीत गावे?

xM+cM+h % हम गीत नइखीं गावत, आपन ममिले कहलीं हाँ रावाँ से।

i|p % बाकिर हमरा ना बुझाइल हा, ए बबुआ।

xMcMh % हेने आई, दू डेग बढ़ आई, हम रावाँ के समुझा देतानी। हम रासता धइले चल जात रहीं रास्ता में हमरा जाली मिलल अथवा डोंड़ा मिलल अथवा मनीबेग मिलल। ओहमें हम आपन रोपेया–पइसा धइलीं।कुछ दिन का बाद में जाली या मनीबेगवाला आपन चिन्ह गइल। त आपन मनीबेग ले जाई कि हमनरा रोपेया–ढेबुआ सहिते लेले चल जाई?

i|p % त ई बात तोहरा पहिले नूँ हमरा से कहल चाहत रहल हा। (दर्शक का ओर देखत) एह गरीब से राह में जाली मिलल अथवा डोंड़ा मिलल अथवा मनीबेग मिलल, ओह में ई आपन रोपेया–पइसा धइलस। कुछ दिन का बाद में मनीबेवाला आपन मनीबेग चिन्ह गइल, त खाली आपन ऊ मनीबेग के जंइहन कि रोपेया–ढेबुआ सहिते लेले चल जहइन? बबुआ गबरघिचोर, तूँ जो गड़बड़ी में।

xcjf?kpkj % ए बाबा, हम कुछ कहबऽ।

i|p % का कहबऽ? कहे के बा से कहऽ, बाकी जाये के होई गड़बड़िये में।

xcjf?kpkj % सुनहुँ सभासद असल कहूँ, झूठ में लागी पाप।
माई–बाबू छुटलन भइलन, जालीवाला बाप।

i|p % बेटा ले जो गड़बड़ी।

xyht % हमार बेटा ह, गड़बड़ी कइसे लेके चल जइहन?

i|p % जननवाँ नूँ तोर ह, बउराह लेके।

i|p % मउगी के नूँ बाजा बजा के ले आइल बाड़ऽ। छँवड़ा के बाजा बजा के नइखऽ नूँ जनमवले? ई बतावऽ कि कतना दिन के छँबड़ा भइल आ कतना दिन पर तूँ बहरा से आइल बाड़ऽ?

xyht % पन्द्रह बरिस भइल परदेस। ओहिजे लागल उमिर के सेस।।

बेटा ले के बहरा जाइब। फिर ना घर में लात लगाइब।।

xyht cg % तेरह बरिस के बबुआ भइलन। बेटा के खोजत बाबू अइलन।।

लागत नइखे तनिको लाज। हँसत बाटे सकल समाज।।

xyht % हअऽ लाजवाल!

i;p % अइसन बेलज आदमी दुनियाँ में हम ना देखलीं। जलाये के जगहा कहीं ना मिले, त न जाके समैना का चोप में मुँहे लगा दऽ।

xyht % ए बाबा, रउरा बइठी हम साबूत देतानीं।

गाछ लगवलीं कोंहड़ा के, लत्तर गइल पछुआर।
फरल परोसिया के छप्पर पर, से हऽ माल हमार।।

i;p % गलीज! हम तोहरा से ममिला पूछतानी, तूँ लगलऽ ध्रुपद गावे?

xyht % हम आपन ममिला कहलीं हँ, ए बाबा!

i;p % यही में लपेट–लपेट कहलऽ ह, बाकी हमरा ना बुझाइल हा, ए बबुआ।

xtht % ए बाबा हेने आई, हम रावाँ के समुझा देतानी। हमरा कहूँ कोंहड़ा के एगो थाला मिल गइल। ओकरा के हम ले अइलीं। अपना अँगना में रोप देलीं। ओकर सेवा सजम कइलीं। ओकर लत्तर बढ़त–बढ़त हमना छप्पर से परोसिया के छप्पर पर चल गइल। एगो कोंहड़ा जाके फर गइल। त ऊ कोंहड़वा हमार ह महाराज कि परोसिया के बा?

i;p % त ई बात पहिले नूँ हमरा से कहेला (दर्शक का ओर देखत) एह गरीब का कहीं से कोंहड़ा के थाला मिलल। अपना अँगना में ले आके रोपलस। सेवा–सजम कइलसं लत्तर पसरत–पसरत परोसी के छप्पर पर जाके कोंहड़ा फर गइल। त का छप्पर के बदौलत एकर कोंहड़वे तूर लीहन? जेकर थान तेकर कोंहड़ा। बबुआ गबरघिचोर, तूँ चल जो गलीजवा में।

xcjf?kpkj % , ckck] ge dN dgc·A

i;p % का कहब? कहे के बा से कहऽ, बाकी जाये के होई गलीजवे में।

xcjf?kpkj % सब कहलन बाबू असल, सुनहूँ पंच दे कान।
हम बेसी कइसे कहीं, बालक अबुध नादान।।

i;p % ले जो गलीज, बेटा ले जो रे।

(तीनों में हल्ला–गुल्ल होता–'बेटा हमर बा, बेटा हमर बा।')

xyht cg % (पंच से) ए बाबू जी, हमरा बबुआ के हो, बाँह उखाड़ल लोग दादा।

ip % चुप रहऽ। केकर मजाल बा कि तोरा बबुआ के बाँह उखाड़ी लोग रे? मारब मूका जे पाताल में धँस जाई लोग।

xyht cg % बढ़नी मारो; तोरा पंचाइत कइला के।

ip % तें अनेरे नूँ हमरा पर लाल–पियर होवऽतारिस।

xtht cg % लाल–पियर होखीं ना? कूदि के रावाँ हिनका के देतानी, कूदि के हुनका के देतानी। हमार बबुआ आ हमरा से कुछ पूछते नइखीं।

ip % नाक चुअवलू, त मारब मूका जे...। तबे से नाक चुअवले बाड़ी कि पूछते नइखीं, पूछते नइखीं। तूँ केकरा से पूछ के ई सब कइले बाड़ू? हेने आवऽ तोरो से पूछब, हेने आवऽ। ई बतावऽ कि हई गड़बड़िया तोरा साथे झूठो के लंद–फद बन्हले बा कि तोरा गउ़बड़िया साथे कुछ बाटे?

xyht cg % जब रावाँ पूछत बानी, त हम कहत बानीं हइहे गडबड़ी बाड़न, ए बाबूजी! सँझिया–बिहनियाँ रोज आवस, ए बाबूजी!

ip % दुपहरियों में आवत होई। कतनो गोड़ जरत होई, बाकी मानत ना होई।

xyht cg % कबो दुआरी पर बइठस ए बाबूजी, कबो केवारी के पाला ध के खड़ा होखस आ कइसन दोनी मुँह कइले राखसं रोज दिन के इहे दसा हम देखीं, त एक दिन हम अपना मन में बिचार कलीं आ सोचलीं कि हमरा पाले चीज बा, त हमरा छिपावल पार ना लागल, ए बाबूजी।

ip % तोरा पाले कवनो सबूत बा?

xyht cg % बइठीं, साबूत हम देत हईं।

घर में रहे दूध पाँच सेर, केहू जोरन दिहल एक धार।
का पंचाइत होखत बा, घीउ साफे भइल हमार।।

ip % गलीज बो, हम तोरा से ममिला पूछतानी आ तें लगले झूमर गावे।

xyht cg % हम झूमर ना गवलीं हा, ए बाबुजी! हम आपन ममिला कहलीं हाँ। रावाँ नइखे समुझ में आवत, त हेने दू डेग बढ़ि आई, हम समुझा देतानी।

i:p % कहऽ–कहऽ, ममिला में ना लजाये के। (दर्शक का ओर देखत) गलिजवा बो लाद के साफा आदमी ह।

xyht cg % ए बाबू! पाँच सेर दूधवा अपना देहिया के मोकरर करतानी। बाकिर जोरनवाँ के कहे में लाज लागता।

i:p % कहऽ–कहऽ, ममिला में ना लजाये के, कहऽ। अबगे त ममिला मोहड़ा पर आइल बा।

xyht cg % (गड़बड़ी का ओर इसारा करत)

जोरनवाँ हिनके नूँ पसेनवाँ ह, बाबूजी!

i:p % ई बात तोरा पहिले नूँ हमरा से कहेला। मानलीं कि केहू के घर में दू सेर–चार सेर दूध धइल बा। ओकरा के अँवटलस, पकवलस, टोला–महल्ला से तनीएसा जोरन ले आके ओकरा में लगा देलस। त का जोरन के बदौलत ओकर सउँसे करने उठवले चल जहहे। जेकर दूध, तेकर घीव।

xyht cg % जेकर दूध, तेकर घीव काहे ना ए बाबूजी! हतने भर जोरनवाँ खातिर हमरा बबुआ पर दावा कइले बाड़न।

i:p % अरे बबुआ, तूँ चल जो अपना मतरिया में।

xcjf?kpkj % बाबा! हमहूँ कुछ कहबऽ।

i:p % कहबऽ का? कहे के बा से कह लऽ, बाकी जाये के बा मतरिये में।

xcjf?kpkj % साँच बात कहली मइया, से हमरे मनमान।
झूठो झंझट लागल बा सुनहु पंच सज्ञान।।

i:p % ले जो गलीज बो! बेटा ले जो रे!

(तीनों में फेर झगरा सुरू हो जाता। पंच के बेइमान बनावत बा लोग।)

xyht % (उठि के पंच के धसोरत) चललऽ हा पंचाइत करे कि हमनी में खून करावे?

i:p % हम का करीं? जेकर हम बा... सुपत होता, तेकरा के हम देतानी।

xMcMh % ए बाबा, एने आई, सुनी।

iap % कहे के बा से कहऽ। उठ–बइठ के ममिला ना होखे। जे देखी से कही कि बाबा बेइमान हवन।

xMcMh % हेने आईं, बेइमान केहू ना कही।

iap % (गड़बड़ी कि ओर दू डेग बढ़ के) का कहबे से कहऽ।

xMcMh % हम रावाँ से कहतानी कि छँवड़ा के हमरा में रखवा देतीं, त रावाँ के हम दू गो रोपेया देतीं।

iap % कहऽ हो गड़बड़ी, आज ले बाबा का रोपेया के लोभ ना भइल, त आज तोहरा दू गो रूपली से बाबा के दिन जाये के बा?

xMcMh % दू गो ना– नूँ कहलीं हँ।

iap % दू सऽ कहऽ, चार सऽ। ए रोपेया कावर ताकेवाला बाबा के जीव हवन?

xMcMh % दू गो ना कहलीं हँ, दू सौ देबऽ।

iap % हमरा दुइये गो बुझाइल ह, ए बबुआ। दू सइ कहलऽ हऽ?

xMcMh % हँ, ए बाबा!

iap % जो होने बइठ। ममिला में ना घबड़ाये के ह। गलीज–सलीज बेटा ले जइहन? तनी–मनी सवाँगन के खबरा दे दीं, त इनकर चाम खींच लिहन स।

xyht % ए बाबा, तनी हेने आईं।

iap % कहे के बा से ओनहीं से कहऽ, ए बबुआ!

xyht % ना, तनी दू डेग बढ़ आई, ए बाबा! रउरा से तनी एगो भितरिया बात कहे के बा।

iap % (गलीज का ओर दू डेग बढ़के) कहे के बा से कहऽ, ए बबुआ! जानते बाडऽ कि हम कतना भक्त आदमी ठहरलीं। बिना भोजन भइले स्नान ना होखे।

xyht % छँबड़ा के कह–सुनके हमरा में रखबा देतीं, त रावाँ के हम पाँच सौ

रोपेया देतीं।

i;p % तोहरा अइसन लोभी आदमी से हमरा दुख हो जाला। पाँ गो रूपली से बाबा के दिन जाए के बा?

xyht % पाँच गो ना कहलीं हँ, ए बाबा!

i;p % पाँच गो ना–नूँ पाँच सइ कहऽ, पाँच हजार कहऽ, पाँच लाख कहऽ, रोपेया कावर ताकेवाला बाबा ना हवन।

xyht % पाँच सौ नूँ कहतानीं।

i;p % पाँच सई? हमरा बुझाहल ह कि पाँच गो कहलऽ ह। सुनऽ ए बबुआ। रोपेया–पइसा कबनो चीज ना ह। ई त हाथ के मइल ह। आज बाटे बिहने नइखे। बाकी तोहरा घर से आ हमरा घर से तोहरा दादे का बेरा से निअराह चलल आवत बा, ए बबुआ। ई निबाहे के बा। पाँच सइ नूँ कहलऽ देबे के?

xyht % हँ ए बाबा!

i;p % जा बइठऽ जा। गड़बड़ी कादो बेटा ले जइहन। ममिला में हड़बड़ाये के ना। (गलीज बो से) गलीज बो रे?

xyht cgq % का ए बाबूजी!

i;p % तोर ममिला फेर से देखाई।

xyht cgq % पहिले का देखाइल हा, ए बाबूजी!

i;p % ऊ तनी ऊपरे–ऊपरे देखाइल रहल हा।

xyht cgq % (पंच का लगे जा के) हमरा पाले त रोपेया–पइसा नइखे, ए बाबा! कह–सुन के बबुआ के हमरा में रखवा देतीं, त हम राउर सेवा–सजम का देतीं, ए बाबूजी!

¼xkuk&in½ xyht cgq dk foyki

ओदर से हउअन बेटा हमार, ओदर से।
साँच बात में आँच लागत बा, पूछीं बोला के नाऊ–चमार। ओदर...
पुत्र भइल जीभ स्वाद गइल सभ, तनिको ना खइलीं बेकार। ओदर...

अब आगा पर दागा होखत बा, घेरलस ठग बटवारं। ओदर...
कहत 'भिखारी' तइयारी भइल जब, पिअला से दूध के धार। ओदर...

(चौपाई)

चारो तरफ से उठल हावा। एह में नइखे केहू के दावा।।
बबुआ अउवन बेटा हमार। पूछीं बोला के नाऊ–चमार।।
नव महीना पेट के भीतर। रहसु त पूजलीं देवता–पितर।।
जनम के समय में इ दुख भइल। इहे बुझाय जे अब जीव गइल।।
होखत रहे राम से बात। असहीं होला जीव के घात।।
लालच में ना लउके जान। बेटा दिया दऽ हे भगवान।।
बबुआ भइलन आसरा लागल। अब घेरले बा दू गो पागल।।
दूनों ओर से जोर बा भारी। राम–राम कहि रटत 'भिखारी'।।
हम अबला कछुओ ना जानी। पंच गोसइयां राखऽ पानी।।
झगड़ा के ना जानी भेद। होखत बा करेजा में छेद।।
रो–रो कहे 'भिखारी' नाई। बेआ दिया दऽ काली माई।।
कुतुबपुर में बाटे घर। हमहीं हई बेटा के जर।।
जिला छपरा हउए खास। बबुआ में लागल बा आस।।

(बेटा से बिलाप गान)

सिवसती गनपति, हरहु बेकार मति;
चरन के चेरी के इयाद राखऽ हो बबुआ।
पेटवा भीतर माँही, गम कुछ रहे नाहीं;
तबहीं से आसरा लगवलीं हो बबुआ!
बनि के तोहार कुली, लालच में गइलीं भूलि;
नव मास ढोबलीं मोटरिया हो बबुआ!
दिन–रात हूल आवे, घर ना आँगन भावे;
चलत में गोड़ भहरात रहे हो बबुआ!
जब होखे लागल पीरा, दुखवा समुझऽ हीरा;
मुखवा से कहत बानी कमती हो बबुआ!
सुनऽ दुलरू! कहीले से, चार दिन पहिले से;
सउरी में दाँत लागि जात रहे हो बबुआ!
केहू कहे हउवे दूत, केहू कहे हउवे पूत;
केहू कहे भीतरे मुअल बा हो बबुआ!

केहू कहे मरि जाई, चुरइल धइले बा माई;
साँड़ासा सँघरनी के खइलसि हो बबुआ!
अब–तब घरी रहे, ईहे सभ केहू कहे;
चमइन हाथ लाके कढ़लसि हो बबुआ!
नया भइल जनम मोर, असहीं ह पैदा तोर;
तेलवा लगाइ के अबटलीं हो बबुआ!
सुधि करऽ भइला के, गूह–मूत कइला के;
माई मत जानऽ हमें दाई जानऽ हो बबुआ!
कहत 'भिखारी' नाई, कवन करीं उपाई;
मुँहवाँ के तोहरे दुआरवा हो बबुआ!
कुतुबपुर हउवे ग्राम, रामजी सँवारऽ काम;
जाति के हजाम जिला छपरा हो बबुआ!

i|p % रे बबुआ, तें मतरिया का रोबला से मतरिये में रहबे?

xcjf?kpkj % रावाँ जेकरे में कहब, तेकरे में रहब।

i|p % बाह बा, रहे के बा तोहरा, बाबा काहें आपन ईमान खराब क देस? बाबा कहिहन कि तूँ इनरा में कूद जा, त कूद जइबऽ?

xcjf?kpkj % कूद जाइब।

i|p % बाबा कहिहन कि तूँ आपन जाद दे दऽ, त तूँ दे देबऽ?

xcjf?kpkj % कूद जाइब!

i|p % हम कहब कि तोहरा में तीनों के हक बराबरे बा। तोहरा देह नापि के काटि के तीन गो टुकड़ा कइल जाईं। तीनों में गोटा परी, तोरा कबूल बा\

xcjf?kpkj % हँ बाबा! कबूल बा।

i|p % कबूल बा नूँ?

xcjf?kpkj % कबूल बा।

i|p % जल्लाद के बोलावऽ रे!

lekth % देहु खबर जल्लाद के जाई। सुनत बात आवत हरखाई।।

कर हथियार धार बनवाई। सभा मध्य में पहुँचे आई।।

iap % (गबरघिचोर से) बबुआ सूत रहऽ।

xcjf?kpksj % हम कुछ कहबऽ

iap % अच्छा कहऽ

(पंच जल्लाद फरका बइठत बाड़ें)

xcjf?kpksj % (रो–रो के)

अइसन लिखलन करम में बिधाता।
सुंदर नर–तन बिमल पाइ के टूटल जगत के नाता।
हीत–मित्र केहू काम न आवत, बैरी भइलन पितु–माता।
सभा–मध्य में बध होखत बानी, सुनहु राम सुखदाता।
बड़ उपहास भइल घिचोर के , एको ना 'भिखारी' से कहाता।।

¼pkSikbZ½

तीन जना में झगड़ा भइल। गबरघिचोरन के जीव गइल।।
जेकर हिस्सा जहाँ से होई। काटि के बाँटि लेहु सब कोई।।
करनी के फल परल कपारां तन पर चक्कू चलल हमारा।।
बड़का दुख परल जगबन्दन। भइल अकाल मृत्यु रघुनन्दन।।
जरिये चलली मइया कुचाली। छुड़ी का हाथ भइलि हलाली।।
रामचन्द्र अवधेस कुमारा। बहे चाहत बा खून के धारा।।
लखन, भरत, सतरूघन भइया। भाव से पार करहु मोर नइया।।
धनुस–बान धरि चारो भाई। एह अवसर पर होखऽ सहाई।।
ना कइलीं तीरथ–ब्रथ–दान। बालकपन बा हे भगवान।।
माई–बाप के सेवा नहीं। नाहक नर भइलीं जग माहीं।।
सिर पर पहुँचल तुरते काल। देरी भइल दसरथि के लाल।
भइल सिकाइत जग में भारी। दूगो बाप एक महतारी।।
एह जीवन ले गूअल बेस। सुभ गति दे दऽ सिरी अवधेस।।
जयति–जयति जय कौसल–किसोरा। नइखे आवत करे निहोर।।
दाया तोर मोर अगयाना। करिहन तुरत परान पेथाना।।
कुतुबपुर के कहे 'भिखारी'। जइसन मरजी होय तिहारी।।

¼xkuk½

धन–धन मालिक माया तेरा, लोक–बेद सब गाता है।
तीन लोक के बीच में एगो लिखनेवाला बिधाता है।
ऊँच–नीच करनी जैसा करता, वैसा फल पाता है।
माई, भाई, बाबू, कबीला झूठ जगत के नाता है।
गबरघिचोरन आज जगत से जमपुर को चल जाता है।
सभा–मध्य जल्लाद का हाथे छुड़ी गला से खाता है।
सूर्य उदय जब तक जीवन अब तुरत रात चलि आता है।
अंधकार का डर से मनुआँ रोकर के पछताता है।
कुतुबपुर के नाई 'भिखारी' तीनों झगड़ा गाता है।
महादेव ओर पारबती के चरन में सीस नवाता है।

i:p % बस–बस! बस सूनऽ हेने

(गड़बड़ी के आगमन आ बेटा के हाथ पकड़ के अपना ओर खिंचल)

xMcMh % देखिहऽ बाबा, ठीक से नपिहऽ, एने–ओने ना होखे पावे।

xyht % हँ बाबा, ठीक से नापब।

i:p % रे बउराह सभ, जहाँ बबे बाड़न, तहाँ एने–ओने होई (जल्लाद से) रे एक छेव एहिजा से काटऽ, एक छेव एहिजा से काटऽ।

tYykn % ए बाबा, हमहूँ कुछ कहबऽ।

i:p % तें का कहतबे, कहँ।

tYykn % जै गो टुकड़ा करब हू! फी चवन्नी से लेहब ना कम।।

i:p % कटइया त तोर मोनासिब बा। दऽ हो गड़बड़ी, चार आना पइसा दऽ।

xMcMh % लीं बाबा।

i:p % गलीज, चार आना पइसा दऽ।

xyht % लीं सरकार!

i:p % गलीज बो रे।

xyht cg % का एक बाबूजी?

i:p % चार आना पइसा दे तेहूँ।

xyht cg % चारा आना पइसा का होई, ए बाबूजी!

i:p % तोरा छँवड़ा के कटाई देवे के बा।

xyht cg % ना ए बाबूजी, जिअते दूनों जाना में केहू के दे दीं। बाकि लड़का के मत कटवाईं

i:p % देख तोरा बुझात नइखे, हम पुरान हो के तोरा के समुझा देतानीं। तोर जनमल ह, तोरो एक टुकड़ा हिस्सा मिल जाई, त तोर मन के अरमान रह जाई।

xyht cg % ना हमरा लडका के मत कटवाई, ए बाबू! जिअते दूनो जना में केहू एक जना के दे दीं।

xMcMh % ए महाराज! दुइये टुकड़ा करवाई, ई झगरा छूटे ना दीही।

xyht % ए महाराज ! दुइये टुकड़ा करवाई।

tYykn % काटीं?

i:p % (हाथ से रोकत) रहऽ। हई गड़बड़ी कहत बाड़न–दू टुकड़ा हो जाय, हऊ गलीज कहताड़न–दु टुकड़ा हो जाय। जेकरा अपना बेटा के दाह नइखे, तेकर बेटा कइसन? बेटा के दाह बा मतरिया के उठाव बेटा, ले जो गलीज बो!

(गलीज बो बेटा ले जा तारी।)

lekth % ज्यों बेटा माता के संग जाये। त्यों गलीज –गड़बड़ी लजाये।।

i:p % गाना ऊहे ह, हेह में मालिक के नाम होयं। नकल तमासा ऊहे चीज ह, जे में धर्म के चर्चा होय। 'गबरघिचोर' नाटक में धर्म इहे समुझे के चाहीं, जे गबरघिचोर के मतारी कइसन दुख कहि के रोवल बाड़ी। गाना में, चौपाई में आ पूर्वी में जइसन लड़िका होखे में मतारी के दुख होला, जवना दुख में मतारी लोग के प्रान छूटि जला, से सब बरतन करत बाड़ी। ई बात दुनियाँ में बेटा वास्ते उपदेस बा। गबर–घिचोर के मतारी एगो आ बाप दूगा। से बेटा पंच के तजबीज से आपन प्रान दे देबे पर तइयार बाड़न। ईश्वर से विनय करत बाड़न जे हम मतारी–बाप के कुछ

सेवा ना कइलीं। एह बात के बेटा का मोह बा। बाकी आजकल के जे बेटा असल बा, से कह देता जे पंच के बात ना मानबऽ। खास करके उनुकरा अपने जान के फिकिर बा। माता–पिता के सेवा में फिकिर तनिको नइखे।

सभी के अन्दर गबरघिचोर कइसन चौपाई7 कहत बाड़न :–

ekbl&cki d lok ukghA
ukgd uj Hkbyh tx ekghAA





GABARGHICHOR

A Bhojpuri folk play

by

BHIKHARI THAKUR

Born: December 18, 1887, Saran district

Died: July 10, 1971

---

presented by

LOKRAAG.COM | BIDESIA.CO.IN

RANGVARTA.COM

10 July 2015